



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 भाद्र 1943 (श०)

(सं० पटना 780) पटना, मंगलवार, 14 सितम्बर 2021

सं० 27/आरोप-01-57/2020/7966-सा०प्र०
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

3 अगस्त 2021

श्री राजेश कुमार सिंह, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक 1314/11, तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता-सह-नजारत उप समाहर्ता, बक्सर के पदस्थापन काल में सरकारी राशि की अवैध निकासी में नजारत उप समाहर्ता के रूप में लापरवाही बरते जाने संबंधी आरोपों के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापक-15511, दिनांक-29.11.2018 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जिसमें मुख्य जांच आयुक्त, बिहार, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

श्री सिंह के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही का जांच प्रतिवेदन पत्रांक-607, दिनांक-24.10.2019 द्वारा प्राप्त हुआ, जिसमें उनके विरुद्ध गठित सभी छः आरोपों को अप्रमाणित बताया गया है। जांच प्रतिवेदन की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर से की गयी। समीक्षोपरान्त संचालन पदाधिकारी के निष्कर्ष से असहमत होते हुए विभागीय पत्रांक-1958, दिनांक-11.02.2021 द्वारा श्री सिंह से कारण पृच्छा की गयी। उक्त के आलोक में श्री सिंह द्वारा कारण पृच्छा का उत्तर समर्पित किया गया, जिसमें स्वयं पर लगे आरोप का प्रतिकार करते हुए श्री सिंह का कहना है कि आरोप संख्या-01,02,03 एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। आरोप सं०-01 जो मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना में अनियमितता बरते जाने से संबंधित है, को बल प्रदान करने हेतु आरोप संख्या-02 एवं 03 का गठन किया गया है। आरोप संख्या-01 में आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध कहीं भी अनियमितता या कदाचार का वर्णन नहीं है और आरोप संख्या-02 एवं 03 के संदर्भ में भी संचालन पदाधिकारी द्वारा इन्हें दोष मुक्त कहा गया है। इस प्रकार स्वयं पर लगे आरोप को श्री सिंह द्वारा निराधार बताया गया है।

श्री सिंह के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन एवं असहमति के बिन्दु पर श्री सिंह के बचाव-बयान की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गयी। समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि आरोप सं०-01 मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना से संबंधित बचत खाता में सहायक नाजीर द्वारा अनियमितता बरतते हुए अवैध निकासी से संबंधित है और इस आरोप में आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध कुछ भी नहीं कहा गया है, लेकिन आरोप सं०-02 एवं 03 जिला नजारत के सामान्य रोकड़-वही के संधारण में अनियमितता से संबंधित है। भले ही आरोप सं०-01 से संबंधित मुख्यमंत्री सेतु निर्माण की योजना की रोकड़-पंजी अलग से संधारित थी और नजारत की सामान्य रोकड़-पंजी में उसे समाहित नहीं किया गया था, लेकिन नजारत उप समाहर्ता के रूप में जिला नजारत के सामान्य

रोकड़-पंजी का विधिवत संधारण और प्रत्येक माह में उनका शीर्षवार सार तैयार करा कर उसे अभिप्रमाणित/सत्यापित किया जाना नजारत उप समाहर्ता के रूप में श्री सिंह का दायित्व था। इसके अतिरिक्त नजारत उप समाहर्ता के रूप में उन्हें नजारत की सभी गतिविधियों पर सतर्क निगाह रखनी थी और मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना से संबंधित रोकड़-पंजी सहित सभी पंजियों की निगरानी करनी थी। इसमें कही न कही श्री सिंह से कर्तव्यगत चूक हुई है, जिसके कारण सहायक नाजीर द्वारा इतनी बड़ी राशि की फर्जी निकासी की जा सकी है। समीक्षोपरान्त अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री सिंह को 1. निंदन (आरोप अप्रैल, 2015 से मई 2016) 2. असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि अवरुद्ध करने का निर्णय लिया गया है।

वर्णित स्थिति में श्री राजेश कुमार सिंह, बि0प्र0से0, कोटि क्रमांक-1314/11, तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता-सह-नजारत उप समाहर्ता, बक्सर सम्प्रति भूमि सुधार उप समाहर्ता, मोहनिया को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 यथासंशोधित के नियम-14 के अन्तर्गत 1. निंदन (आरोप वर्ष 2016) 2. असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि अवरुद्ध करने का दण्ड संसूचित/अधिरोपित किया जाता है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
जय शंकर प्रसाद,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 780-571+10-डी0टी0पी0
Website: <http://egazette.bih.nic.in>